

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—उपखंड 3—उपखंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 498] नई दिल्ली, सोमवार, अश्विन 4, 1971/प्राश्विन 12, 1893

No. 498] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 4, 1971/ASVINA 12, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रम संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st October 1971

S.O. 3604.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 6 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, namely:—

1. (1) This Order may be called the Capital Issues (Exemption) (Amendment) Order, 1971.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Capital Issues (Exemption) Order, 1969 (hereinafter referred to as the said Order), in clause 3,

(a) for the brackets, figures and words “(1) The following issue of securities shall be exempt from the provisions of Sections 3, 4 and 5 of the Act, namely, the issue of securities irrespective of the value of consideration involved by—”, the following shall be substituted, namely:—

“The issue of securities, irrespective of the value of consideration involved, by the following categories of companies shall be exempt from the provisions of sections 3, 4 and 5 of the Act, namely:—”

(b) in item (1), the following shall be inserted at the end, namely:—

“and which is not registered under section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969)”;

- (c) in the proviso, for the words "in the form specified in the Schedule annexed to this order", the words and figure "in Form I as specified in the Schedule annexed to this Order" shall be substituted.

3. In clause 4 of the said Order,—

- (a) in the marginal heading, for the words "public limited companies", the words "certain public limited companies" shall be substituted;
- (b) in the opening paragraph, after the words "public limited companies", the words, figures and brackets, "other than those registered under section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969)", shall be inserted;
- (c) in sub-clause (iv), after the words and letters "the Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd.," the words, figures and brackets "the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963)," shall be inserted.

4. In clause 5 of the said Order,—

- (a) in the marginal heading, for the words "securities by public limited companies", the words "securities, other than debentures, by certain public limited companies" shall be substituted;
- (b) in the opening paragraph, for the words "The issue of securities for consideration exceeding rupees twenty-five lakhs proposed to be made by a public company including", the following shall be substituted, namely:—

"The issue of securities, other than debentures, for consideration exceeding rupees twenty-five lakhs proposed to be made by a public company [not including a company registered under section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969)], but including";

(c) in the first proviso,—

- (i) in item (ix), the words "the rate of interest on debentures or" shall be omitted;

- (ii) item (xii) shall be omitted;

(d) in the second proviso,—

- (i) for item (ii), the following item shall be substituted, namely:—

"(ii) the company shall obtain an acknowledgement in Form II as specified in the schedule annexed to this Order duly signed by the Controller of Capital Issues or an Officer authorised by him in this behalf".

- (ii) in item (iv), for the words "in the form specified in the schedule annexed to this Order", the words and letter "in Form I as specified in the schedule annexed to this Order" shall be substituted.

5. In clause 8 of the said Order, after sub-clause (iii), the following sub-clause shall be inserted, namely:—

- "(iv) shall apply to any issue of securities by a company, public or private limited, which is registered under Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969)".

6. In the Schedule annexed to the said order,—

- (a) the existing Form appended thereto shall be numbered as Form I.

(b) after Form I as so numbered, the following Form shall be inserted, namely:—

FORM II

Acknowledgement

To

Subject: _____

Dear Sir/Gentlemen,

I am directed to acknowledge receipt of the statement of proposals of Messrs _____ in regard to the proposed issue of securities of the value of Rs. _____ (Rupees _____ Only) in the form of equity/preference shares/ secured loans under the authority of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969.

2. I am to invite attention of the Company to items (iii) and (iv) of the second proviso to clause 5 of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969 and to request that the Company may ensure due compliance of the requirements mentioned therein, namely:—

- (i) in any prospectus or letter of offer, the company may disclose that the issue is being made in terms of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969; and
- (ii) that after the issue, reports of the subscriptions to the scheme offered may be within the stipulated date at the prescribed intervals of the subscription to the securities offered.

[No. F. 2 (15)-CCI/70.]

P. D. KASBEKAR,

Controller of Capital Issues,

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी निर्गम नियंत्रक का कार्यालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर, 1971

का० प्रा० 3604.—पूँजी निर्गम (नियंत्रण) अधिनियम,¹ 1947 (1947 के 29वें अधिनियम) की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पूँजी निर्गम (छूट) आदेश, 1969 में संशोधन करने के लिए, एतद्वारा निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश की पूँजी निर्गम (छूट) (संशोधन) आदेश, 1971 कहा जायेगा।

(2) यह आदेश, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू हो जायगा।

2 पूँजी निर्गम (छूट) आदेश, 1969 (जिसे इसके बाद उक्त आदेश कहा गया है) के खण्ड 3 में,

(क) “(1) प्रतिभूतियों का निम्नलिखित निर्गम, अर्थात् प्रतिभूतियों का निर्गम चाहे उनका मूल्य कुछ भी क्यों न हो, अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के उपबन्धों

से मुक्त होगा—” इन कोष्ठकों, अंकों और शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जायेंगे अर्थात् “निम्नलिखित वर्गों की कम्पनियों द्वारा जारी की जाने वाली प्रतिभूतियों का निर्गम, चाहे उनका मूल्य कुछ भी क्यों न हो, अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के उपबन्धों से मुक्त होगा, अर्थात्:—”

(ख) मद (1) के अन्त में निम्नलिखित शब्द रखे जायेंगे:—

“और जो एकाधिकार और प्रतिबन्धात्मक व्यापार प्रणाली अधिनियम, 1969

(1969 के 54 वें अधिनियम) की धारा 26 के अन्तर्गत पंजीबद्ध न हों” ;

(ग) परन्तु में, “इस आदेश से अनुबद्ध अनुसूची में निर्धारित प्रपत्र में” शब्दों के स्थान पर “इस आदेश से अनुबद्ध अनुसूची में निर्धारित प्रपत्र 1” शब्द और अंक रखे जायेंगे ।

3 उक्त आदेश के खण्ड 4 में:—

(क) हाशिये में दिये गये शीर्षक में “पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां” शब्दों के स्थान पर “कुछ विशिष्ट पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां” शब्द रखे जायेंगे ;

(ख) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, “पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां” शब्दों के स्थान पर, “एकाधिकार और प्रतिबन्धात्मक व्यापार प्रणालियां अधिनियम, 1969 (1969 के 54 वें अधिनियम) की धारा 26 के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनियों से भिन्न” शब्द, अंक और कोष्ठक रखे जायेंगे ;

(ग) उप-खण्ड (iv) में, “भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लिमिटेड” शब्दों के बाद, “यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया अधिनियम, 1963 (1963 के 52 वें अधिनियम) के अन्तर्गत स्थापित यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया” शब्द, अंक और कोष्ठक रखे जायेंगे ।

4 उक्त आदेश के खण्ड 5 में:—

(क) हाशिये में दिये गये शीर्षक में, “पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा जारी की जाने वाली प्रतिभूतियां” शब्दों के स्थान पर “कुछ विशिष्ट पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा जारी की जाने वाली ऋण पत्रों से भिन्न प्रतिभूतियां” शब्द रखे जायेंगे ;

(ख) प्रारम्भिक पैराग्राफ में “..... सहित किसी पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा पचीस लाख रुपये से अधिक की रकम के लिए किये जाने वाले प्रस्तावित प्रतिभूतियों के निर्गम” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जायेंगे, अर्थात्:—“किसी पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा [जिसमें एकाधिकार और प्रतिबन्धात्मक व्यापार प्रणालियां अधिनियम, 1969 (1969 के 54 वें अधिनियम) के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनी शामिल न हों] लेकिन कम्पनियां शामिल हो, पचीस लाख रुपये से अधिक की रकम के लिए ऋण पत्रों से ‘भूतियों का प्रस्तावित निर्गम’” ;

(ग) प्रथम परन्तुक में,—

(i) मद (ix) में, ऋणपत्रों या के ब्याज की दरें शब्दों को हटा दिया जायेगा ;

(ii) मद (xii) को हटा दिया जायेगा ;